MKF Launching by Prof. K I Vasu, Our Patron

महाकर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में ३१ जुलाई २०२१ को सायं ६ बजे से एक भब्य डिजिटल शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें मान. जिलाधिकारी पिथौरागढ़ श्री आनंद स्वरूप IAS सहित देश के प्रसिद्ध विज्ञानी प्रोफेसर के आई वासु, संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष, विज्ञान भारती बंगलौर से व कई प्रतिभागियों का अभिनंदन किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का श्रीगणेश डा. आशुतोष पारिक द्वारा राजस्थान से मंगलाचरण के तहत करने के बाद डा. विनय कुमार, भौतिक विज्ञानी , सऊदी अरब ने डा. देवेन्द्र प्रकाश भट्ट, विज्ञानी अध्यक्ष- स्वदेशी साइंस मूवमेंट आफ इंडिया के स्वागत परिचय के साथ ट्रस्ट संबंधित सामाजिक कार्यों की जानकारी दी और बताया कि किस प्रकार २००९ में डा. भट्ट की पतंजलि योगपीठ के मुखिया श्रद्धेय स्वामी रामदेव जी की सहयोगी मुलाकात हुई तदनंतर उत्साहित होकर २०१५ में डा. भट्ट की सामाजिक टीम ने उत्तराखंड ट्रेजेडी २०१३ के ग्रस्त गुप्तकाशी के २ गांवों के परिवारों को आर्थिक मदद पहुंचाई। फ़रवरी २०१८ में भृगु पीठाधीश्वर गोस्वामी सुशील जी महाराज, राष्ट्रीय संयोजक भारतीय सर्व धर्म संसद व डा. डी पी भट्ट की ४ दिवसीय सद्भावना यात्रा का भी उन्होंने जिक्र किया जिसमें डा. भट्ट के पिथौरागढ़ स्थित पैतृक गांव में सामाजिक प्रतिनिधि मंडल के साथ सभा का आयोजन किया गया उसके बाद स्वयं के फंड से पैतृक गांव का जीर्णोद्धार भी पत्नी श्रीमती नीमा भट्ट की निगरानी में गणेश चतुर्थी २०१९ के पावन अवसर पर संपन्न हुआ और उनके परिवार के निरंतर प्रयास के तहत प्रो. के आई वासु ने उनके प्रस्तावित गांव के विकास हेतु सीड मनी के रूप में प्रथम वित्तीय सहायता दी। डा. भट्ट ने अपने अभिभाषण में श्री आनंद स्वरूप व उनके स्टाफ का आभार साझा किया कि कैसे उन्होंने डिजिटल मोड के तहत उन्हें संबंधित ग्राम्य विकास के मुद्दे पर त्वरित ज़बाब दिया जिसके फलस्वरूप कोरोना संक्रमण के तहत बिना पिथौरागढ़ गये उन्होंने गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से ही महाकर्म फाउंडेशन का अखिल भारतीय स्तर पर १३ जुलाई को पंजीकरण करवा लिया जिसका मुख्य कार्यालय ग्रेटर नोएडा रखा गया। डा.भट्ट ने ट्रस्ट के बहुआयामी उद्देश्यों पर प्रकाश डाला यथा आंतरिक व बाहरी पलायन को उलटफेर करके कैसे ग्रामीण विकास हो सकता है और अपनी तरह के कई पलायन कर चुके सक्षम जनों के खंडहर पड़ चुके पैतृक घर व जमीन संसाधनों का वह सब विकास हेतु इष्टतम उपयोग कर सकते हैं- सबको आगे आना चाहिए, कोरोना संकट काल में पलायन कर चुके जरुरतमंदों की पहचान ज्यादा सहज हो सकती है व उन्हें स्वरोजगार उन्मुखी ब्यवसाय हेतु हम प्रेरित कर सकते हैं- ऐसा आह्वान डा. भट्ट ने किया। बड़ी आबादी वाले ग्रामीण इलाकों cluster of villages (उनका अपना आठगांव शिलिंग का इलाका उपयुक्त उदाहरण) के विकास की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना, कृषि प्रविधि, प्राथमिक शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य व आध्यात्मिक विषयों पर युवाओं किसानों कारीगरों ग्रास रूट अन्वेषकों हेतु जागरूकता अभियान, वर्कशॉप, सेमिनार, ट्रेनिंग का आयोजन तथा स्थानीय योग्य मेहनती लोगों को उनके स्थानीय उत्पादों के लिए प्रोत्साहन व पुरस्कार देना जिससे अंतर्राज्यीय और ग्लोबल निर्यात में उन्हें सफलता मिले, ट्रस्ट उनके साथ चलेगा- ऐसा डा. भट्ट ने आगे जोड़ा। पूरे विश्व के पहाड़ी / क्षेत्रीय/भारतीय समाज व पीढ़ी को उन्हीं के मान, कृत्य व सहयोग के जरिए उनकी जड़ों से जोड़ने हेतु डा. भट्ट ने स्वभाषा मातृभाषा के बहुतायत प्रयोग व विकास पर जोर दिया और बताया कि पहाड़ी/ क्षेत्रीय भाषाओं के वाणी विज्ञान का पूरे विश्व में प्रचार प्रसार उनका उद्देश्य होगा और शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर क्रियेटिव मस्तिष्क के विकास में उन्हीं की मातृभाषा या हिंदी के प्रयोग पर भी ट्रस्ट की सेवा देने का भाव प्रकट किया क्योंकि उन्होंने इस दिशा में पिछले २५ वर्षों से अविरल कार्य का अनुभव भी अर्जित किया है और आज की नई शिक्षा नीति भी ऐसा करने को हमें प्रेरित करती है। धार्मिक व सामाजिक विसंगतियों के कुछ ज्वलंत उदाहरण उन्होंने रखे व बताया कि कैसे २००० से उन्होंने आंशिक काम किया और कुमाऊं के सभी जिलों में आर टी आई से सवाल पूछे डा. भट्ट का स्पष्ट मानना है कि कम से कम अंध विश्वास के मामले जिससे समाज का उनके स्वास्थ्य का काफी नुकसान हो रहा है, समाधान हेतु सरकारों व राजनैतिक दलों पर निर्भर नहीं रह सकते हैं उसके लिए

हमें मिलकर आगे आना होगा। शुभारंभ एजेंडा से पूर्व डा. भट्ट ने आठगांव शिलिंग स्थित अपने गांव के आध्यात्मिक महत्व को समीपस्थ पिथौरागढ़ दक्षिण में विद्धमान थलकेदार शिव मंदिर व नकलेश्वर के जिक्र से जोड़ा जिससे वहां सरकार के सहयोग से पर्यटकों के आवागमन के साथ अन्य प्रभावी विकास की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। जिलाधिकारी महोदय की सहमति से तदनंतर प्रोफेसर वासुजी के आशीर्वचनों से ट्रस्ट के पिथौरागढ़ कुमलगांव स्थित पैतृक कुंती भवन उपकार्यालय का शुभारंभ उद्घोषित किया गया जिसमें उन्होंने डा. भट्ट परिवार के प्रयासों की व समर्पण की प्रशंसा की। श्री रोशन अग्रवाल, महासचिव, विज्ञान भारती दिल्ली ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन व राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम को पूर्ण किया

This Digital Virtual Launch of the Foundation was done on July 31st, 2021 @ 06:00 PM Mumbai, Kolkata, New Delhi

इस कार्यक्रम का वीडियो लिंक

👇

https://youtu.be/qoBH9n2rXDU

ईश्वरीय कृपा
On behalf of
महाकर्म फाउंडेशन
Mahakarm Foundation
Office: Maa Kutir, C-376, P3, Greater Noida
Sub-office: Kunti Bhawan, Kumalgaon, Pithoragarh
Email: mahakarmfoundation@gmail.com